नैनीताल मे कागज का कारखाना

4975. **श्री नवाब सिंह चौहान :** क्या उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंग कि :

(क) क्या कुछ बड़ी कम्पनियों ने नैनीताल के निकट पर्वतीय क्षेत्रों में कागज के कारखाने स्थापित करने हेतु आवेदनपत्र प्रस्तुत किये थे;

(ख) उन कम्पनियों के नाम क्या हैं जिनको पब्लिक लिमिटेड कम्पनियों के रूप में ऐसे कारखाने स्थापित करने की अनुमति दी गई है; और

(ग) क्या केन्द्रीय सरकार का विचार इस क्षेत्र में उपलब्ध कच्चे माल के उचित उपयोग हेतु सरकारी कम्पनी बनाने का है ?

उद्योग मंत्री (श्री जार्ज फर्नांडिस) : (क) जी, हां।

(ख) मैसर्स सेन्चुरी पल्प की प्रतिवर्ष (1) 20,000 मी० टन अखबारी कागज, (2) 20,000 मी० टन छपाई का सफेद कागज और (3) 20,000 मी० टन रेयन ग्रेड लुग्दी का उत्पादन करने के लिए नैनी (उ० प्र०) में एक नया उपक्रम स्थापित करने के लिए एक आशय-पत्र जारी किया गया है।

मै० नैनीताल पेपर लि० को प्रतिवर्ष 15,000 मी० टन लिखाई और छपाई कागज का निर्माण करने के लिए नैनीताल (उ० प्र०) में एक नया उपक्रम स्थापित करने के लिए एक औद्योगिक लाईसेंस जारी किया गया है।

(ग) फिलहाल इस क्षेत्र में सरकारी क्षेत्र में परियोजना स्थापित करने का सरकार का कोई भी विचार नहीं है।

Ineffectivity of T.V. sets in Pune (Maharashtra) in Summer season

4976. SHRI R. K. MHALGI: Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING be pleased to state:

(a) whether Government have received a written representation from Pune (Maharashtra) in the month of May 1977 regarding ineffectivity of TV sets in summer season;

(b) if so, action taken or proposed to be taken; and

(c) whether the persons concerned were accordingly intimated?

THE MINISTER OF INFORMATION AND BROADCASTING (SHRI L. K. ADVANI): (a) Yes, Sir.

(b) The interference is caused by a foreign station operating on the same frequency as Bombay, whose programmes are relayed by Pune. Alternate relay arrangements through P & T Departments microwave link are being engineered. These are expected to be completed by the end of 1977.

(c) Yes, Sir.

आयातित सामग्री से उपभोक्ता वस्तुओं का निर्माण

4977. **श्री हुकमदेव नारायण यादव :** क्या **उद्योग** मन्त्री ये बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) उन कम्पनियों के नाम क्या हैं जो आयातित सामग्री से विदेशी सहयोग से उपभोक्ता वस्तुओं का उत्पादन कर रही है और उनके द्वारा कौन सी उपभोक्ता वस्तुएं बनाई जा रही हैं ;

(ख) क्या सरकार का विचार ऐसी सभी सामग्री का आयात बन्द करने का है जो उपभोक्ता वस्तुओं के उत्पादन में काम आती